# Unit - 2

## Education for children with Special need.

### दृष्टिबाधित बच्चों की परिभाषा, पहचान, जरूरत और शैक्षिक प्रावधान

(Definition Causes Identification, needs and Educational provisions for visually Impaired Children)

**भूमिका :—**

ज्ञानेन्द्रियाँ हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में हैं। ज्ञानेन्द्रियों द्वारा ही संवेदनाएं प्राप्त होती हैं। बाह्य जगत के ज्ञान की प्राप्ति विभिन्न प्रकार की संवेदनाओं के द्वारा ही संभव होती है। संवेदना का अनुभव तभी संभव है जब उससे संबन्धित ज्ञानेन्द्रियों संवेदी तन्त्रिकाओं को उचित उद्दीपन प्राप्त होता है। हम उस विशेष संवेदना का अनुभव मस्तिष्क के द्वारा अनुवादित होने पर ही करते हैं। शरीर ध्वनि, प्रकाश, गंध, दाब आदि के प्रति संवेदनशील होता है। प्रत्येक व्यक्ति अपने वातावरण में व्याप्त सूचनाओं को अपनी ज्ञानइंद्रियों के द्वारा प्राप्त करता है जो शरीर के विभिन्न अंगों में स्थित होते हैं। एक व्यक्ति के पास सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए पांच ज्ञानेन्द्रियाँ होती हैं, जिनके द्वारा व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप सूचनाएं प्राप्त कर, अपने दैनिक जीवन के आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। व्यक्ति में यदि किसी ज्ञानेंद्री के क्रियात्मक क्षमता में क्षति होती है तो उसकी निर्धारित संवेदना द्वारा होने वाला अधिगम प्रभावित होगा। इसलिए हमें यह जानने की जरूरत



Scanned with CamScanner

होती है कि छात्र किस तरह से विकलांगता से प्रभावित है एवं यह जानने के बाद बच्चों की समस्या, आवश्यकता विशिष्टता तथा उसके समायोजन हेतु विभिन्न प्रविधियों का प्रयोग किया जाता है।

दृष्टिबाधित बच्चों की परिभाषा :— दृष्टिबाधित बच्चों को समय-समय पर अलग-अलग दृष्टिकोण से परिभाषित किया गया है। जो कि निम्नलिखित है :—

आयुर्विज्ञान के अनुसार :— दृष्टिबाधिता का तात्पर्य नेत्रों से कुछ भी न देखने की स्थिति से है।

शैक्षिक दृष्टि से :— "दृष्टिबाधिता एक ऐसा दृष्टि विकास है, जिसके परिणामस्वरूप दृश्य सामग्री के प्रयोग से शिक्षण आंशिक रूप से भी संभव न हो सके।"

चिकित्सीय दृष्टि से — चिकित्सीय विधि से दृष्टिबाधिता की परिभाषा दृष्टि-तीक्ष्णता और देखने के क्षेत्र पर आधारित है। इसको दो प्रकार से परिभाषित किया जा सकता है :—

(i) दृष्टि-तीक्ष्णता के आधार पर — सभी प्रकार के उपाय करने के बाद व्यक्ति किसी वस्तु को 200 फीट की दूरी पर देखता है एवं उसे 20 फीट



Scanned with CamScanner

को दूरी पर नहीं देखा जा सकता है। तो उस व्यक्ति को दृष्टिहीन कहा जाता है। दृष्टि तीक्ष्णता को 20/200 के रूप में लिखा जाता है।

(ii) देखने के आधार पर !—
दृष्टि विकृत व्यक्ति के देखने के क्षेत्र का व्यास 200 से अधिक नहीं होना चाहिए तथा उनकी दृष्टितीक्ष्णता 20/200 से अधिक अच्छा होना चाहिए।

* दृष्टिबाधिता के प्रकार
दृष्टिबाधिता को निम्नलिखित प्रकार से विभाजित किया जा सकता है !—

- जन्मजात दृष्टिबाधिता — यदि दृष्टि क्षति वंशानुक्रम या अन्य कारणों के परिणाम स्वरूप बच्चे में जन्म से मौजूद है या शैशवावस्था में आती है तो इस प्रकार के क्षति को जन्मजात दृष्टिबाधिता की श्रेणी में रखते हैं। इस श्रेणी में दृष्टिबाधिता के लक्षण जन्म से ही बच्चे में परिलक्षित हो सकते हैं।

- आकस्मिक दृष्टिबाधिता — यदि दृष्टि क्षति बाल्यावस्था या उसके बाद किसी आकस्मिक कारणों, चोट लगने के परिणाम स्वरूप बच्चे में प्रदर्शित होती है



Scanned with CamScanner

तो इस श्रेणी में दृष्टिबाधिता के लक्षण जन्म के उपरान्त ही बच्चे में परिलक्षित होते हैं।

- अल्प दृष्टि — यदि दृष्टि क्षति हो किन्तु कुछ क्रियात्मक दृष्टि व्यक्ति में शेष हो एवं बच्चा विशेष उपकरणों के माध्यम से सभी कार्यों को करने में सक्षम हो तो उसे अल्प-दृष्टि के अन्तर्गत रखते हैं।

- पूर्ण दृष्टिबाधा :— नेत्र विकारों के फलस्वरूप यदि दृष्टि क्षति गंभीर हो तथा क्रियात्मक दृष्टिकोण का भी अभाव हो तो ऐसे व्यक्ति को पूर्ण दृष्टिबाधा या अंधत्व की श्रेणी में रखते हैं।

* दृष्टिबाधित बच्चों की पहचान :— दृष्टिबाधिता की पहचान सामान्यतः माता-पिता एवं परिवार के सदस्यों के द्वारा ही हो जाती है। दृष्टिबाधिता की पहचान निम्न प्रकार से कर सकते हैं :—

- आंखों से पानी आना।
- नेत्र का लाल होना।
- आंखों में खुजली होना।
- पलकों का लगातार झपकना।

Nothing is so infectious as an example.



Scanned with CamScanner

APPOINTMENTS NOTES

30

- भेंगापन।
- श्यामपट्ट से अनुकरण करने में कठिनाई।
- नेत्र की असामान्य गति।
- देखने में कठिनाई होना।
- किसी वस्तु पर नजर न टिकना।
- छोटी लिखावट पढ़ने में कठिनाई का अनुभव करना।
- सिर दर्द की शिकायत करना या नेत्र में संक्रमण की शिकायत करना।
- दूर की वस्तु को देखने के लिये असामान्य रूप से सिर को आगे-पीछे करना।
- प्रायः वस्तुओं को छूकर महसूस करते हो।
- वस्तु की वास्तविक आकृति एवं रंग।
- पहचानने में असमर्थता प्रकट करते हो।
- चलते समय रास्ते में पड़ी वस्तुओं से टकराना।
- रंगों के प्रति आकर्षण न होना।
- दृश्यात्मक चीजों के प्रति कोई प्रतिक्रिया न होना।

❖ My dear friend, clear your mind of can't.

May

| Sa | Su | Mo | Tu | We | Th | Fr | Sa | Su | Mo | Tu | We | Th | Fr | Sa | Su | Mo | Tu | We | Th | Fr | Sa | Su | Mo | Tu | We | Th | Fr | Sa | Su | Mo |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 |

Scanned with CamScanner

NOTES

APPOINTMENTS

31

- पंक्ति या समूह में ठीक स्थिति में न बैठ / खड़े हो पाना।
- देखने के बजाय सुनने में ध्यान केन्द्रित करना।
- वस्तुओं की पहचान अन्य ज्ञानेन्द्रियों या विशेष दृष्टि से करना।

अतः इस प्रकार उपरोक्त वाक्यांशों से यह स्पष्ट होता है कि दृष्टिबाधित बच्चों की पहचान करने के लिये इस पर ध्यान देना अनिवार्य होता है।

Scanned with CamScanner